

बीजेपी नेताओं से करीबी रिश्ता रखने वाले दक्षिण अफ्रीका के रसूखदार उद्योगपति गुप्ता ब्रदर्स यूएई में गिरफ्तार

जेपी सिंह

यह महज संयोग नहीं है कि भारत के सहारनपुर के रहने वाले गुप्ता भाइयों को जो साउथ अफ्रीका से 15 बिलियन रूपये (अफ्रीकी मुद्रा) के घोटाले के बाद फरार हो गये थे और यूएई चले गये थे, उन्हें यूएई में गिरफ्तार कर लिया गया है। लगभग चार साल से फरार गुप्ता भाइयों को उस समय पकड़ा गया जब यूएई सहित 15 तेल उत्पादक इस्लामी देशों ने पैंगंबर मोहम्मद को लेकर विवाद पर भारत के खिलाफ विरोध दर्ज कराया है। भाजपा नेताओं के अत्यंत करीबी राजेश गुप्ता और अतुल गुप्ता पर अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति के शासन काल में करोड़ों रुपये हड़पने का आरोप है।

ये वही परिवार हैं जिसने वर्ष 2019 में उत्तराखण्ड के औली में अपने पुत्र का विवाह किया था, जिसमें लगभग 200 करोड़ रुपये खर्च हुए थे और तत्कालीन त्रिवेंद्र सिंह रावत सरकार के सहयोग ने इसे शाही शादी बना दिया था। गुप्ता ब्रदर्स की इस शाही में मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, योगमुख बाबा रामदेव, अधिनेत्री कर्तीना कैफ, एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला और टीवी की नागिन के नाम से मशहूर सुरभि? ज्योति? समेत कई वीआईपी मेहमान शामिल हुए थे।

गुप्ता परिवार के दो भाइयों राजेश गुप्ता और अतुल गुप्ता को संयुक्त अरब अमीरात में गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि अभी तीसरे भाई अजय गुप्ता के बारे में जानकारी साफ नहीं है कि उनकी गिरफ्तारी हुई है या नहीं।

दरअसल यूपी के सहारनपुर के गुप्ता ब्रदर्स जो 1990 के दशक में साउथ अफ्रीका पलायन कर गए थे, उन्हें अब संयुक्त अरब अमीरात से गिरफ्तार किया गया है। उन पर करोड़ों के घोटाले और मनी लार्निंग के आरोपों में साउथ अफ्रीका में मुकदमा चल रहा है। साउथ अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा से गुप्ता ब्रदर्स के अच्छे संबंध रहे हैं और इसी का फायदा उठा कर उन पर कई घोटाले करने का आरोप है।

गुप्ता बंधुओं पर एस्टिना डेयरी फॉर्म प्रोजेक्ट से जुड़ी धांधली का आरोप है ये प्रोजेक्ट फेल हो गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट को गरीब अश्वेत किसानों की मदद के लिए चलाया गया था। आरोप है कि गुप्ता परिवार ने इस डेयरी से लाखों डॉलर की कमाई की। हालांकि गुप्ता परिवार इससे इनकार करता रहा है।

भारतीय मूल के विवादास्पद कारोबारी तीनों गुप्ता भाइयों अतुल, राजेश और अजय की करीबी साउथ अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा से रही है। जुमा के कार्यकाल के दौरान घोटालों में शामिल होने के आरोप इन तीनों पर लगते आए हैं। साल 2018 में इन तीनों भाइयों को इनके साउथ अफ्रीका के घर से गिरफ्तार कर लिया गया था, तब जैकब जुमा पर इस्तीफा देने का भी दबाव था।

गुप्ता बंधु अतुल, राजेश और अजय दक्षिण अफ्रीका में श्वेत शासन समाप्त होते ही 1993 में वहां चले गये थे। गुप्ता परिवार कंप्यूटिंग, खनन, विमानन, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और मीडिया समेत कई क्षेत्रों

में कारोबार करता है। राष्ट्रपति जैकब जुमा से नजदीकी की वजह से उन्हें 'जूसाज' कहा जाने लगा। जुमा की एक पत्नी गुप्ता की एक माइनिंग कंपनी में काम करती थी। जुमा की बेटी दुरुजिले जुमा सहारा कंप्यूटर्स की डायरेक्टर थीं और जुमा के बेटे दुरुजिले जुमा गुप्ता की एक कंपनी में डायरेक्टर थे।

गुप्ता भाइयों पर दक्षिण अफ्रीका की सरकारी कंपनियों से डील करने में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया जाता रहा है। दक्षिण अफ्रीका के वॉचडॉग ने अक्टूबर 2016 में एक रिपोर्ट जारी की थी जिसमें कहा गया था सरकारी क्षेत्र की एक बिजली कंपनी ने गुप्ता की कंपनी को आसान शर्तों पर एक बड़ा ठेका दिया। आज गुप्ता परिवार ने कंप्यूटर, खनन, मीडिया, टेक्नॉलॉजी और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपने पांच जमा लिए हैं।

परिवार ने 2010 में 'द न्यूज एज' नाम से अखबार शुरू किया, यह जुमा समर्थक अखबार है। 2013 में परिवार ने 'एनएनएन' नाम के एक 24 घंटे के न्यूज चैनल को लॉन्च किया। गुप्ता परिवार का रसूख इस कदर बढ़ गया था कि 2009 में जुमा के राष्ट्रपति बनने से पहले ही उनके सत्ताधारी अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस में करीबी दोस्त बन गए थे।

गुप्ता बंधु और उनके परिवार के कुछ और मेंबर दुर्बिल में रह रहे थे। कुछ मेंबर भारत में भी बताए जाते हैं। नेशनल प्रोसेक्यूशन अथोरिटी के अनुसार भारत और यूएई दोनों को ही प्रत्यर्पण अनुरोध भेजा गया था। इन तीनों भाईयों ने पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा को इस कदर अपने वश में कर रखा था कि पूर्व राष्ट्रपति ने अपनी पार्टी से दुश्मनी मोल ले ली। फिर उनका अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस पार्टी में कड़ा विरोध होने लगा।

पैसों की दम पर सुर्खियों में रहने वाले गुप्ता बंधु काफी दिनों से भागे-भागे फिर रहे थे। दक्षिण अफ्रीका से फरार गुप्ता बंधुओं के बारे में यह जानकारी भी सामने आ रही है कि अप्रैल 2021 में ये लोग भोपाल आए थे। यहां पर गुप्ता बंधुओं ने कुछ राजनेताओं से मुलाकात की थी। साथ ही निवेश को लेकर बात की थी। गुप्ता बंधुओं की यह मुलाकात काफी गोपनीय थी। कहते हैं कि पांच अप्रैल को राजा भोज हवाई एयरपोर्ट पर एक चार्टर विमान उत्तरा था। इसके यात्रियों की सूची में राजेश गुप्ता के साथ उनके परिवार और व्यापारिक सहयोगी मुरारी लाल जालान का भी नाम था। मुरारी लाल जालान इससे पहले जेट एयरवेज को खुरीदने के लिए अपनी बोली के लिए सुर्खियों में रहे हैं। विमान में दो पायलट और चालक दल सहित 10 लोग सवार थे। इस दौरान एयरपोर्ट पर एक वरिष्ठ राजनेता ने इनका स्वागत भी किया था।

इन तीनों भाईयों का बचपन सहारनपुर में ही बीता है। तीनों भाई पद्धाई में तेज-तरार थे। इनके पिता शिवकुमार गुप्ता सहारनपुर के रानीबाजार स्थित रायवाला मार्केट में कभी राशन की दुकान चलाया करते थे। पिता शिवकुमार ने साल 1985 में मंझले बेटे अतुल गुप्ता को पढ़ने के लिए दिल्ली भेज दिया। पद्धाई के बाद अतुल ने कुछ दिन तक दिल्ली के हयात होटल में नौकरी की और यहां से साउथ अफ्रीका चले गए। तेज दिमाग अतुल ने जल्द ही पहचान लिया कि रंगभेद के दौर से उबर रहे दक्षिण अफ्रीका में व्यापार की अपार संभावनाएं हैं। अतुल गुप्ता ने सबसे पहले अपना एक छोटा-सा बिजेस यहां



अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा से करीबी होने के चलते गलत तरीके से अपना बिजेस प्रोमोट करने का आरोप लगा।

शुरू किया। बिजेस ने जैसे ही रफ्तार पकड़ी, अतुल ने अपने दोनों भाइयों अजय और राजेश को भी दक्षिण अफ्रीका बुला लिया।

अतुल गुप्ता ने 1993 में दक्षिण अफ्रीका में सहारा कंप्यूटर्स की शुरुआत कर साप्राज्य खड़ा करने की दिशा में पहला बड़ा कदम उठाया। शुरुआत में कारोबार बहुत छोटा था, लोकन तीनों की मेहनत रंग लाई। और पूरे दक्षिण अफ्रीका में गुप्ता बंधु का कम्प्यूटर कारोबार फैल गया। यही नहीं, जल्द ही इनकी कंपनी दक्षिण अफ्रीका की नंबर वन कंपनी बन गई। उसके बाद गुप्ता बंधुओं ने कोल और गोल्ड माइनिंग में भी हाथ आजमाया।

गुप्ता बंधुओं का बुरा समय साल 2016 में उस समय शुरू हुआ, जब तत्कालीन उप वित्त मंत्री मसोबिस जोनास ने आरोप लगाया कि गुप्ता बंधुओं ने उन्हें वित्त मंत्री



**दीन-ए-जुमलाही
शहंशाह-ए-बेरोजगारी
जलील-ए-फेकउद्दीन
दलाल-ए-अम्बानी**